तर्ज--गुजरा हुआ जमाना

अपना बना के तूने एहसान कर दिया है
यह तेरा शुक्रिया है

1--दुनिया है ऐसा सागर जिसमे जहर भरा है
नफरत को ये मिटाये ऐसा वो रास्ता है
तेरी रहमतो ने आ के मुझको बचा लिया है

2--क्या थी मैं क्या बनी हूं ये बात मैं ना भूलूं
तूने मुझे बनाया औकात मैं ना भूलूं
जो कुछ है पास मेरे सब तूने ही दिया है

3-कभी इम्तहां ना लेना ऐसे ही बख्शी जाऊं
बल दे दो पिया इतना तेरी प्रीत मैं निभाऊं
तेरी रहमतो का सागर मैने सदा पिया है

Nijanand App